कानपुर, बुधवार, 11 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 64, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड ट्रंप के बयान से तेल बाजार में भूचाल...>Pg12
गैस सिलेंडर की किल्लत से छोटे व्यापारियों पर संकट...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

सीमा पर चीन की 'खुशहाल गांव' रणनीति, अरुणाचल के पार बसाई सैकड़ों बस्तियां

चिकन नेक पर डाल रहा काली निगाह

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा पर रणनीतिक गतिविधियों को लेकर एक नई चिंता सामने आई है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पार चीन द्वारा बड़ी संख्या में तथाकथित 'खुशहाल गांव' बसाए जाने की जानकारी सामने आई है। भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार चीन ने सीमा के नजदीक सैकड़ों गांव विकसित किए हैं, जिनका उपयोग नागरिक बसावट के साथ-साथ सैन्य दृष्टि से भी किया जा सकता है।

भारतीय सेना के उप प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने इस विषय पर जानकारी देते हुए बताया कि चीन ने उत्तरी सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है। उन्होंने यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित असम राइफल्स के वार्षिक सेमिनार में कहा कि चीन ने पिछले वर्षों में एलएसी के पार 'जियाओकांग' यानी 'खुशहाल गांव' योजना के तहत लगभग 628 गांव बसाए हैं। सेना के आकलन के अनुसार इनमें से करीब 72 प्रतिशत गांव भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा के सामने स्थित हैं। इनमें से लगभग 90 प्रतिशत बस्तियां अरुणाचल प्रदेश की सीमा के उस पार विकसित की गई हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन गांवों का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में आबादी बढ़ाना, आधारभूत ढांचा मजबूत करना और जरूरत पड़ने पर सैन्य गतिविधियों को समर्थन देना भी हो सकता है।

एआई जेनरेटेड फोटो

सेना अधिकारियों ने यह भी बताया कि कुछ गांव ऐसे इलाकों में बनाए गए हैं, जिन पर भारत और चीन के बीच सीमा विवाद है। ऐसे क्षेत्रों में स्थायी बसावट से भविष्य में रणनीतिक और कूटनीतिक जटिलताएं बढ़ सकती हैं। सेमिनार में पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा व्यवस्था और सिलीगुड़ी कॉरिडोर की संवेदनशीलता पर भी चर्चा हुई। पश्चिम बंगाल में स्थित लगभग 22 किलोमीटर चौड़ा और करीब 60 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर पूर्वोत्तर भारत को शेष देश से जोड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण भू-मार्ग है। इसे सामरिक दृष्टि से 'चिकन नेक' भी कहा जाता है। यह इलाका भूटान और चीन के चुम्बी घाटी क्षेत्र के पास पड़ता है, जहां वर्ष 2017 में डोकलाम के पास भारत और चीन के बीच सैन्य गतिरोध हुआ था।

सेना अधिकारियों के अनुसार इस क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए रणनीतिक तैनाती बढ़ाई गई है और बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नीचे से रेल संपर्क स्थापित करने के लिए भूमिगत सुरंग परियोजना पर काम चल रहा है। पहले चरण में करीब 24 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाई जा रही है, जिसे आगे चलकर लगभग 62 किलोमीटर तक बढ़ाने की योजना है।

हालांकि चीन की गतिविधियों के बीच भारत भी पूर्वोत्तर में रणनीतिक परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। इनमें अरुणाचल प्रदेश की सेला सुरंग, ब्रह्मपुत्र नदी पर कई पुल, असम का बोगीबील रेल-सड़क पुल और लोहित नदी पर बने पुल जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इनका उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में विकास के साथ-साथ सेना की रसद और त्वरित तैनाती क्षमता को मजबूत करना है। इसके अलावा म्यांमार सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बाड़ लगाने का काम भी जारी है। सेना का अनुमान है कि अगले कुछ वर्षों में इस परियोजना का बड़ा हिस्सा पूरा हो जाएगा, जिससे घुसपैठ और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी चुनौतियों पर नियंत्रण में मदद मिलेगी।

खबरः एक नजर में...

- चीन ने एलएसी के पार 'जियाओकांग' योजना के तहत लगभग 628 गांव बसाए।
- इनमें से करीब 72% गांव भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा के सामने।
- लगभग 90% बस्तियां अरुणाचल प्रदेश की सीमा के उस पार।
- कई गांव विवादित क्षेत्रों में बसाए जाने की आशंका।
- भारत भी पूर्वोत्तर में सुरंग, पुल और सड़कों जैसी रणनीतिक परियोजनाओं को तेज कर रहा है।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने लखनऊ पहुंचकर शुरू किया तीन दिवसीय जनजागरण अभियान

लखनऊ से 'गो-प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध' का शंखनाद, शंकराचार्य का जजिया वाला बयान चर्चा में

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मंगलवार को लखनऊ पहुंचे, जहां से उन्होंने 'गो-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान' की शुरुआत की। शहर पहुंचते ही उन्होंने हनुमान सेतु मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया और इसके बाद कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हो गए।

आयोजकों के अनुसार 11 मार्च को शीतला अष्टमी के अवसर पर आशियाना क्षेत्र में स्थित कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक उपवन के पास पासी किला चौराहे पर दोपहर 2ः15 बजे से शाम 5 बजे तक मुख्य सभा आयोजित की जाएगी। इस दौरान शंकराचार्य 'गो-प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध' अभियान का औपचारिक शंखनाद करेंगे और समर्थकों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में संत समाज, विभिन्न संगठनों और बड़ी संख्या में गोभक्तों के शामिल होने की संभावना है।इस आयोजन को लेकर प्रशासन ने 26 शर्तों के साथ

अनुमति दी है। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में प्रशासन तत्काल कार्रवाई कर सकता है।

भक्तों की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस ने भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था की है। आशियाना, पीजीआई और कृष्णानगर थाना क्षेत्रों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है और कार्यक्रम स्थल पर अतिरिक्त बल तैनात किया जाएगा।इस दौरान शंकराचार्य का एक बयान भी चर्चा में रहा। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल का किराया और अन्य शुल्क आयोजकों द्वारा जमा कराया गया है और यह स्थिति उन्हें मुगलकाल के 'जजिया' कर की याद दिलाती है। उनका कहना था कि जैसे उस समय लोग अपने धर्म के पालन के लिए जजिया देते थे, वैसे ही आज भी धर्म के कार्यों के लिए शुल्क देना पड़ रहा है। राचार्य ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य गाय को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने और देशभर में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग को लेकर जनजागरण करना है। यह यात्रा वाराणसी के संकटमोचन मंदिर से शुरू होकर कई जिलों से होते हुए लखनऊ पहुंची है।

केडीए का अवैध प्लाटिंग पर बड़ा एक्शन, 11 बीघे क्षेत्र में ध्वस्तीकरण

चिरान और कटरी ख्यौरा में बिना अनुमति विकसित की जा रही कालोनियों पर चला बुलडोजर, लोगों से केवल स्वीकृत कालोनियों में प्लाट खरीदने की अपील

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाते हुए बुधवार को लगभग 11 बीघे क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कालोनियों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में की गई।

प्रवर्तन जोन-1बी के विशेष कार्याधिकारी/उपजिलाधिकारी डा0 रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने ग्राम चिरान और ग्राम कटरी ख्यौरा में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई की। चिरान में राघव, सुमेर व अन्य द्वारा लगभग 6 बीघे क्षेत्र में, जबकि कटरी ख्यौरा में बलराम सिंह चौहान व अन्य द्वारा लगभग 5 बीघे क्षेत्र में बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के प्लाटिंग विकसित की जा रही थी।

केडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर 2 जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध कालोनियों में बनाई गई सड़क, नाला, बाउंड्रीवाल, बिजली के खंभे, पिलर, एंट्री गेट और अन्य निशानदेही को ध्वस्त कर दिया।

विशेष कार्याधिकारी डा0 रवि प्रताप सिंह ने बताया कि बिना अनुमति की जा रही प्लाटिंग में अक्सर भोले-भाले लोगों को धोखा देकर प्लाट बेच दिए जाते हैं, जिससे बाद में उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि प्लाट खरीदने से पहले केडीए से जानकारी अवश्य लें और केवल प्राधिकरण से स्वीकृत कालोनियों में ही जमीन खरीदें।

उन्होंने कहा कि अवैध कालोनियों में सड़कों, नालियों, बिजली, पानी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुसार नहीं होतीं, जिससे भविष्य में कई समस्याएं पैदा होती हैं। साथ ही अवैध प्लाटिंग से जलभराव, यातायात अव्यवस्था और पर्यावरणीय नुकसान जैसी समस्याएं भी बढ़ती हैं।

अभियान के दौरान अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर राम औतार, मनोज कुमार, राज कुमार, लाल सिंह सहित अन्य कर्मचारी तथा थाना बिठूर की पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही।

केडीए ओएसडी रवि प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कानपुर गैस संकट: सिलिंडर के लिए लंबी कतार में खड़ी युवती हुई बेहोश

15 दिन से बुकिंग पर भी खाली हाथ लौट रहे लोग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गुजैनी की चंदेल गैस एजेंसी पर सिलिंडर के लिए लगी लंबी कतार में राधा नामक युवती बेहोश हो गई। लोगों ने 15 दिन से गैस न मिलने और अव्यवस्था का आरोप लगाया है।

कानपुर में गैस संकट का नजारा मंगलवार को गुजैनी स्थित चंदेल गैस एजेंसी पर देखने को मिला। गैस सिलिंडर पाने की जद्दोजहद में घंटों से कतार में लगी एक युवती राधा अचानक गश खाकर गिर पड़ी और बेहोश हो गई।

युवती के गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने एजेंसी प्रबंधन के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया।

लाइन में खड़े उपभोक्ताओं का दर्द छलक पड़ा। लोगों का कहना है कि वे पिछले 15 दिनों से बुकिंग कराने के बावजूद रोज सुबह से शाम तक कतार में लगते हैं, लेकिन उन्हें सिलिंडर नहीं मिल रहा। स्थिति यह है कि कई परिवारों को गैस लिए हुए डेढ़ महीने से अधिक का समय हो गया है और घर में चूल्हा जलना मुश्किल हो रहा है।

न फोन मिलता है, न अधिकारी सुनते हैं

एजेंसी पर मौजूद लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गैस एजेंसी का फोन कभी नहीं मिलता है। जब सीधे एजेंसी पहुंचते हैं, तो उन्हें कतार में लगने को कह दिया जाता है, लेकिन घंटों खड़े होने के बाद अंत में स्टॉक खत्म होने की बात कहकर उन्हें वापस भेज दिया जाता है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत से छोटे व्यापारियों पर संकट

35% दुकानें बंद होने की कगार पर, ठेले-खोमचे वालों ने समेटना शुरू किया कारोबार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। शहर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित होने से छोटे व्यापारियों और फेरी-ठेला लगाने वालों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कृष्णा नगर क्षेत्र के पूर्व पार्षद एवं व्यापारी मदन लाल भाटिया ने बुधवार को जारी प्रेस बयान में बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर लगी रोक के कारण शहर में करीब 35% दुकानें प्रभावित हो चुकी हैं। कई ठेले-खोमचे वालों ने अपना कारोबार समेटना शुरू कर दिया है।

उन्होंने बताया कि यदि जल्द ही स्थिति सामान्य नहीं हुई तो कानपुर शहर की सैकड़ों छोटी दुकानें बंद होने की स्थिति में पहुंच सकती हैं, जिससे हजारों लोगों का रोजगार प्रभावित होने का खतरा है। गैस की कमी का असर शैक्षणिक संस्थानों पर भी पड़ रहा है। कई स्कूलों और कॉलेजों के हॉस्टलों में रहने वाले छात्रों के लिए भोजन बनाना मुश्किल हो गया है, जिसके चलते बच्चों को अस्थायी रूप से घर भेजने की स्थिति बन रही है।

मदन लाल भाटिया ने कहा कि वर्तमान समय में शादियों का सीजन भी चल रहा है, जिससे कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों के यहां हलवाई लगे हुए हैं, लेकिन गैस सिलेंडर उपलब्ध न होने से मिठाई और

भोजन बनाने में दिक्कत हो रही है। हालात यह हैं कि कुछ लोगों ने अपने रिश्तेदारों से बारातियों और मेहमानों की संख्या कम करने का अनुरोध तक किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी समस्या के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे शहर में अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है।

भाटिया ने सुझाव दिया कि व्यापारी मजबूरी में पुराने विकल्पों जैसे कोयले की भट्ठी या डीजल भट्ठी की ओर लौटने पर विचार कर रहे हैं। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में पीएनजी गैस लाइन उपलब्ध है, वहां से कमर्शियल कनेक्शन दिलाने के लिए प्रशासन और गैस कंपनियों को पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई छोटे व्यापारी आर्थिक रूप से इतने सक्षम नहीं हैं कि तुरंत कोई वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें, ऐसे में उनकी दुकानों के बंद होने का खतरा बढ़ गया है।

पूर्व पार्षद ने जिला प्रशासन से अपील की कि वह संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द से जल्द कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करे तथा व्यापारियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराए, ताकि हजारों लोगों के रोजगार पर मंडरा रहा संकट टल सके।

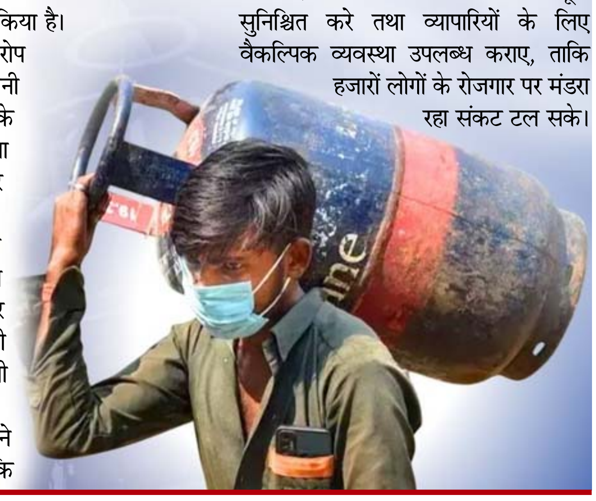

ई-सिम के जाल में फंसा कारोबारी 1.28 करोड़ की साइबर ठगी

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। साइबर ठगों ने ई-सिम अपडेट के नाम पर मैसेज भेजकर एक लॉजिस्टिक कारोबारी से 1.28 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने मेरठ से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि गिरोह का सरगना मेराज समेत अन्य सदस्य अभी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस टीम मुंबई में दबिश दे रही है।

पीड़ित मोकम सिंह अशोक नगर निवासी लॉजिस्टिक कारोबारी हैं और गुरुद्वारा भाई बन्नो साहिब प्रबंधन समिति के पूर्व प्रधान भी रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त को उनके व्हाट्सऐप पर पीएम किसान योजना, आरटीओ चालान, बैंक और आधार अपडेट के नाम पर एपीके फाइल भेजी गई। उसी रात मोबाइल पर सिम बदलने का मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि यदि सिम नहीं बदलना है तो 'नो सिम' लिखकर 121 पर मैसेज कर दें। उन्होंने निर्देश के अनुसार मैसेज कर दिया, जिसके बाद अगले दिन उनके फोन का नेटवर्क बंद हो गया। जब बेटे हरदीप ने जांच की तो पता चला कि टेलीकॉम कंपनी की ओर से ऐसा कोई संदेश भेजा ही नहीं गया था। बैंक पहुंचने पर जानकारी मिली कि उनके खाते से 1.28 करोड़ रुपये निकल चुके हैं।

पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद 26 अगस्त 2025 को साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम मुंबई के बांद्रा वेस्ट निवासी अमर तिवारी के

आरोपी के पास से बरामद किए गए कई आधार कार्ड, पैन कार्ड

नाम से खुली 'अमर कलेक्शन' फर्म के खाते में भेजी गई थी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 72.50 लाख रुपये फ्रीज करा दिए, जबकि 54 लाख रुपये उसी दिन नोएडा स्थित 'एमएमटीसी-पॉम्प' कंपनी के खाते में ट्रांसफर कर सोना खरीदने में इस्तेमाल किए गए।जांच के दौरान कंपनी से सीसीटीवी फुटेज और बिल हासिल किए गए, जिनसे आरोपी की पहचान हुई। मोबाइल नंबर और आईपी एड्रेस की मदद से पुलिस टीम मेरठ के नौचंदी थाना क्षेत्र पहुंची, जहां से आरोपी अरशद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने फर्जी पहचान 'अमर तिवारी' बनाकर यह ठगी की थी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने तीन अलग-अलग नामों से फर्जी पैन कार्ड, आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र बनवा रखे थे, जिनके आधार पर बैंक खाते खोलकर ठगी को अंजाम देता था। आरोपी को मंगलवार को जेल भेज दिया गया है। डीसीपी क्राइम श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि मामले में सोना बेचने वाली कंपनी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। वहीं पीड़ित मोकम सिंह ने भी कंपनी की संलिप्तता पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस से मुठभेड़ के बाद चेन स्नेचर गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के कल्याणपुर क्षेत्र में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ के बाद एक शातिर चेन स्नैचर को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। घायल बदमाश का इलाज कल्याणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कराया जा रहा है, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार होने में सफल रहा।

डीसीपी पश्चिम कासिम आबिदी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान हनुमंत विहार निवासी अमित के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 3 मार्च को कल्याणपुर क्षेत्र में एक महिला से चेन लूट की वारदात हुई थी। घटना के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी और इलाके में लगातार दबिश दी जा

- ⇨ महिला से चेन लूट की वारदात के बाद पुलिस की घेराबंदी
- ⇨ आरोपी के पास से नकदी, तमंचा, स्कूटी बरामद, साथी फरार

रही थी। पुलिस को सूचना मिली कि संदिग्ध बदमाश कल्याणपुर के बारासिरोही इलाके के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें अमित के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे मौके से दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने 9,200 रुपये नकद, एक तमंचा, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद की है। पूछताछ में सामने आया है कि अमित के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह लंबे समय से चोरी व लूट की घटनाओं में संलिप्त रहा है। पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ के दौरान आरोपी का साथी आदित्य सोनकर मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। उसकी तलाश के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस ने घायल आरोपी को इलाज के लिए कल्याणपुर सीएचसी में भर्ती कराया है। इलाज के बाद उससे पूछताछ कर लूट की अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

तेज रफ्तार बनी कालः पेड़ से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रेउना थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार के कारण मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई और दोनों युवक नीचे खड्ड में जा गिरे।

जानकारी के अनुसार देवराहट थाना क्षेत्र के बमरौली घाट निवासी कैलाश (पुत्र रामकेश पाल) अपने गांव के ही साथी छोटू पाल के साथ देर रात बाइक से घाटमपुर की ओर जा रहे थे। जब वे दुरौली गांव के पास पहुंचे तो मोड़ पर बाइक की रफ्तार नियंत्रित नहीं हो सकी और वह पेड़ से टकराकर खड्ड में जा गिरी।

हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत गजनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल को गंभीर हालत में कानपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।अनुज राजपूत, थाना प्रभारी रेउना, ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और पंचायतनामा की प्रक्रिया गजनेर पुलिस द्वारा पूरी की जा रही है।

रेलवे क्रॉसिंग पर जाम से मिलेगी राहत

97.07 करोड़ से बनेगा रेल ओवरब्रिज

एआई जेनरेटेड फोटो

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। शहर के लोगों को लंबे समय से परेशान कर रही रेलवे क्रॉसिंग के जाम की समस्या से जल्द राहत मिलने वाली है। फर्रुखाबादङ्कायमगंज मार्ग पर स्थित दो प्रमुख रेलवे क्रॉसिंगों पर रेल ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना के लिए 97.07 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।सदर विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी के प्रयासों से 10 मार्च 2026 को व्यय वित्त समिति ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दी। परियोजना के तहत क्रॉसिंग संख्या 154 और क्रॉसिंग संख्या 09 के ऊपर से रेल ओवरब्रिज का निर्माण किया जाएगा।

विधायक ने बताया कि प्रस्तावित ओवरब्रिज की कुल लंबाई 1013.71 मीटर होगी, जो दोनों रेलवे क्रॉसिंगों को आपस में जोड़ते हुए यातायात को सुगम बनाएगा। इसके निर्माण से लंबे समय तक बंद रहने वाली रेलवे फाटकों की समस्या समाप्त होगी और शहर में लगने वाले जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम द्वारा तैयार की गई योजना में आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुल के दोनों ओर रैम्प भी बनाए जाएंगे, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में कोई परेशानी न हो। इसके अलावा रेलवे की ओर से दोनों क्रॉसिंगों पर अंडरपास बनाए जाने का भी प्रस्ताव है, ताकि आसपास के क्षेत्रों के लोगों की आवाजाही निर्बाध बनी रहे।

विधायक ने कहा कि दोनों रेलवे क्रॉसिंग लंबे समय तक बंद रहने के कारण अक्सर शहर में जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे व्यापार, स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र और आम नागरिकों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। ओवरब्रिज बनने के बाद यातायात सुचारु होगा और शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा सुधार आएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को मंजूरी दिलाने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव से कई बार मुलाकात की। साथ ही उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक से भी चर्चा कर परियोजना को आगे बढ़ाने में लगातार प्रयास किए। अब व्यय वित्त समिति से मंजूरी मिलने के बाद जल्द ही शासनादेश जारी होने की उम्मीद है। शासनादेश जारी होते ही ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा, जिससे फर्रुखाबाद के लोगों को आने वाले समय में जाम से स्थायी राहत मिल सकेगी।

एक नजर में...

- फर्रुखाबाद-कायमगंज मार्ग पर बनेगा नया रेल ओवरब्रिज
- परियोजना के लिए 97.07 करोड़ रुपये मंजूर
- क्रॉसिंग संख्या 154 और 09 के ऊपर से बनेगा पुल
- ओवरब्रिज की कुल लंबाई 1013.71 मीटर पुल के दोनों ओर बनाए जाएंगे रैम्प
- रेलवे की ओर से अंडरपास बनाने का भी प्रस्ताव
- लंबे समय तक बंद रहने वाली क्रॉसिंग से लगने वाले जाम से मिलेगी राहत
- शासनादेश जारी होते ही निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना

कृपालपुर में निकली शिव बारात, 20 किमी यात्रा में गूंजे भोले के जयकारे

» 15 मार्च को 17 जोड़ों का सामूहिक विवाह भी कराया जाएगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कृपालपुर में चल रहे विष्णु महायज्ञ और श्रीमद्भागवत कथा में मंगलवार को भव्य शिव बारात धूमधाम के साथ निकाली गई। भागवत कथा के तीसरे दिन सप्तमी के अवसर पर निकली यह शिव बारात श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम बन गई।

शिव बारात की शुरुआत कृपालपुर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर से हुई, जो बिहार घाट हनुमान मंदिर सहित क्षेत्र के कई प्रमुख मंदिरों से होते हुए लगभग 20 किलोमीटर की भव्य यात्रा के रूप में निकाली गई। इस दौरान भक्तगण ढोल-नगाड़ों और भक्ति संगीत पर झूमते हुए नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूलों की होली खेलकर शिव बारात का स्वागत किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

इस दौरान शाम को पूरे विधि-विधान के साथ शिव परिवार की स्थापना भी की गई। भक्तों की भारी भीड़ ने शिव बारात में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ के जयकारों से पूरे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। वहीं कथा व्यास भावताचार्य नरेंद्राचार्य ने भागवत कथा में ध्रुव चरित्र और भगवान की प्रेम लीला का ऐसा मार्मिक वर्णन किया कि उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।आयोजन समिति के अनुसार 15 मार्च को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही 17 जोड़ों का सामूहिक विवाह भी संपन्न कराया जाएगा।

अब दागी आलू की नहीं होंगी खरीद मंडी आढ़तियों द्वारा लिया गया निर्णय

सैकड़ो कुंतल दागी आलू मंडी में पड़ा सड़ रहा, मंडी सचिव से की सफ़ाई मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद द्य सातनपुर मंडी परिसर में सैकड़ो कुंटल किसानों का दागी आलू सड़ा हुआ बिखरा पड़ा है, जिससे मंडी परिसर में गंदगी बदबू चारों तरफ फैल रही है मंडी सचिव से सफाई कराए जाने के लिए आढ़तियों ने कहा है, आढ़ती एसोसिएशन अध्यक्ष अर्पित राजपूत ने कहा कि आलू उत्पादक किसान फ्रेश आलू लेकर मंडी आए उनका आलू खरीदा जाएगा यदि दागी आलू होगा तो वह किसी भी भाव कोई नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा किसातनपुर आलू मंडी में आमदनी बहुत कम हो गई है द्य बुधवार को लगभग 70 मोटर रही,201 से 301 निबल व गड्ड , सुपर छट्ठा आलू 551 रुपए तक व हालैंड 551 से 701 रुपए प्रति कुंतल में बिक्री हुई द्य पिछले दिन तेज गर्मी धूप से दागी हुए आलू को खरीदारों ने आलू लेने से हाथ खड़े कर दिए, अच्छा आलू आज भी अच्छे भाव में बिक रहा है पिछले दिन खराब दागी आलू लगभग 300 ट्राली मंडी से वापस चला गया था द्य दागी आलू बुधवार को भी लगभग 30 ट्राली वापस चला गया, अध्यक्ष आलू आढ़ती एसोसिएशन ने आलू किसानों से अपील करते हुए कहा कि अपना आलू साफ सुथरा ही मंडी में लाएं ,दागी आलू बिल्कुल भी न लाएं ,मंडी में चहुंओर सैकड़ों कुंतल पड़ा सड़ा आलू बदबू दे रहा है द्य उन्होंने मंडी में सड़ने वाले आलू की सफाई कराने के लिए मंडी सचिव से कहा गया है ।

आधुनिक खेती व बागवानी योजनाओं से रूबरू हुए 500 किसान

» अलकृत उद्यान आलमचंद्रपुर में दो दिवसीय किसान मेला शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। समेकित बागवानी विकास मिशन योजना के अंतर्गत अलकृत उद्यान आलम चंद्रपुर, कानपुर देहात में दो दिवसीय किसान मेला एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री (बाल विकास) प्रतिभा शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में भाजपा की जिलाध्यक्ष रेणुका सचान भी रहीं। जिला उद्यान अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।किसान गोष्ठी में जिला उद्यान अधिकारी ने जनपद में संचालित बागवानी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कई लाभकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किसानों को विशेष रूप से ÷पर ड्रॉप मोर क्रॉप÷ योजना के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि इस योजना के माध्यम से कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिक डॉ. सुनील रंजन गुप्ता ने किसानों को मृदा में आवश्यक पोषक तत्वों, संतुलित उर्वरक प्रयोग तथा वैज्ञानिक खेती के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

वहीं डॉ. आई. एन. झा ने फसलों में लगने वाले विभिन्न रोगों की पहचान एवं उनके नियंत्रण के उपायों के संबंध में किसानों को जागरूक किया। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने किसानों को पशुओं में होने वाली बीमारियों की रोकथाम, टीकाकरण तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी उपाए बताए। दो दिवसीय किसान मेला एवं गोष्ठी में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 500 किसानों ने प्रतिभाग किया और विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर खेती से जुड़ी समस्याओं के समाधान भी प्राप्त किए। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 प्रगतिशील किसानों को मुख्य अतिथि द्वारा शॉल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे किसानों का उत्साहवर्धन हुआ। नाबार्ड के उप निदेशक रवीन्द्र मौर्य, मंडलीय परियोजना प्रबंधक राकेश कुमार, डॉ. आई. एन. झा वैज्ञानिक, डॉ. शशिकांत पशुपालन वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों सहित कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कानपुर देहात के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

फ्री के प्लॉट मगर गरीबों का उपचार नहीं

कभी चिकित्सा के पेशे को भगवान के दूसरे रूप में मानवता की सेवा का पर्याय माना जाता था। लेकिन आज मुनाफे की चांदी बटोरने की होड़ वाले अग्रणी पेशों में चिकित्सा व्यवसाय की गिनती होने लगी है। धन बटोरने की अंधी हवस में मानवता के तार-तार होने की इस व्यवसाय से जुड़ी खबरें आये दिन सुर्खियां बटोरती रहती हैं। यूं तो आज पैसे की अंतहीन भूख उन तमाम पेशों में नजर आती है जो सेवा-परोपकार व मनुष्यता के कल्याण में अग्रदूत माने जाते रहे हैं। लेकिन कुछ पेशे ऐसे हैं जो इंसानियत के रखवाले माने जाते रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को पूछना पड़ा कि दिल्ली में जिन 51 अस्पतालों को रियायती जमीन दी गई थी और उन्होंने कुछ प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करने का वायदा किया था, वे ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीतिगत फैसला लिया था, जिसके अंतर्गत दिल्ली में गरीब लोगों के लिये निजी अस्पतालों में एक सीमा तक मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराई गई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि अस्पताल निजी हों या सरकारी, वे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिये ही बने होते हैं। इसी के मद्देनजर कई निजी अस्पतालों के निर्माण हेतु रियायती दर पर सरकार भूखंड उपलब्ध कराती है। जिसके चलते निजी अस्पतालों के कुछ दायित्व भी होते हैं। जिसमें निर्धन मरीजों के उपचार हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना होता है। यही वजह थी कि साल 2018 में भी, देश की शीर्ष अदालत ने रियायती जमीन हासिल करने वाले अस्पतालों को नसीहत दी थी कि गरीब लोगों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने को कहा था। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा चेताने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। वहीं दूसरी ओर इस बाबत निगरानी करने वाले सरकारी विभाग भी आंख मूंद कर बैठे रहते हैं।इस गंभीर मुद्दे की बार-बार अनदेखी किए जाने से खिन्न देश की शीर्ष अदालत ने हाल ही में दिल्ली में रियायती दामों में प्लॉट लेने वाले 51 हॉस्पिटलों को नोटिस भेजकर अपना दायित्व न निभाने वालों को इसकी वजह बताने को कहा गया है। कोर्ट ने चेताया है कि अस्पताल के मालिकों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए! यह विडंबना है कि केंद्र व दिल्ली सरकार इस गंभीर मामले में उदासीन नजर आती हैं। विसंगति देखिए कि जिस दायित्व का निर्वहन सरकारों को करना चाहिए था, उस पर देश के सुप्रीम कोर्ट को आदेश देने पड़ रहे हैं। जो हमारे तंत्र की काहिली को ही उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के नीतिगत फैसले में इस बात का प्रावधान था कि रियायती कीमत पर जमीन पाने वाले अस्पतालों को आंतरिक रोगी विभाग में न्यूनतम दस प्रतिशत और ओपीडी में पच्चीस प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करना होगा। जिससे जुड़ी जवाबदेही पूरी करने को शीर्ष अदालत ने 2018 में भी चेताया था। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। यही वजह है कि पिछले दिनों शीर्ष अदालत ने इन अस्पतालों को नोटिस भिजवाए हैं। साथ ही अवज्ञा करने पर अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि इन निजी अस्पतालों में गरीबों को मुफ्त इलाज मिल सके, पहली जवाबदेही सरकार की बनती है।बाकायदा, ऐसे मामलों में उदासीनता दिखाने वाले सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए और लापरवाही दिखाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए।

समरसता की चेतना का पोषण दूर करेगा विभाजन

यशवंत सचदेव

समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनता; उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र-निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं...समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनता; उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र-निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं को महत्व दें।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रस्तावित नए नियमों को लेकर देशभर में विवाद पूरी तरह थमा नहीं है। बुद्धिजीवी वर्ग से लेकर शिक्षाविदों, छात्र संगठनों और आम नागरिकों तक, विभिन्न स्तरों पर इस प्रस्ताव का विरोध दिखाई दे रहा है।

आलोचकों का मानना है कि इन नियमों से उच्च शिक्षा की स्वायत्तता और शैक्षणिक ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जबकि सरकार और आयोग का तर्क है कि ये बदलाव शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। यही कारण है कि यह मुद्दा केवल शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित न रहकर सार्वजनिक बहस का विषय बन गया है।इस विरोध की तीव्रता का अंदाज़ा राजधानी दिल्ली में हुए प्रदर्शनों से लगाया जा सकता है। जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए और यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नियमों का खुलकर विरोध किया। गौरतलब है कि कुछ ही दिनों पूर्व में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन्स, 2026' के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न के उत्तर ने व्यापक बहस को उत्पन्न कर दिया। अवांछित तर्कों के बीच हमें एक गंभीर विषय पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या वास्तव में हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव उस रूप में विद्यमान है, जिस रूप में यह प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा है?सत्ताईस वर्षों के अध्यापन अनुभव और हजारों विद्यार्थियों के निकट संपर्क के आधार पर मेरा अनुभव रहा है कि महाविद्यालयीन परिसर जातिगत भेदभाव से मुक्त सामाजिक संरचना का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वहां का वातावरण मूलतः संवाद, सहभागिता और मित्रता के आधार पर विकसित होता है, जहां पारस्परिक संबंध जातिगत पहचान के बजाय मानवीय संपर्क और साझा शैक्षणिक जीवन से निर्मित होते हैं। हम वास्तविकताओं की शांत और गहन पड़ताल करने के बजाय प्रचलित मान्यताओं को ही अंतिम सत्य मान लेने की प्रवृत्ति विकसित कर चुके हैं।यह भी एक व्यापक धारणा बन गई है कि भारतीय परंपराएं स्वयं जातिगत भेदभाव का पोषण करती रही हैं परंतु क्या यह सत्य है? या ऐसा कुछ है जिससे हम परिचित नहीं हैं। एएल बाशम ने 1954 में 'द वन्डर दैट वाज इण्डिया' में लिखा था कि 'मध्य युग के पूर्व भारत में जाति व्यवस्था सरल थी।' बहुत से उदाहरण ऐसे भी मिलते हैं जहां वर्ग परिवर्तित होता रहा है। कार्य को बदलने पर सामाजिक स्थिति बदलती रहती है। वैदिक वाङ्मय और प्राचीन संस्कृत साहित्य में कहीं भी जाति व्यवस्था या अस्पृश्यता के उदाहरण परिलक्षित नहीं होते हैं। शूद्र' शब्द को 'क्षुद्र' से बना हुआ मानना भाषाशास्त्रीय रूप से प्रामाणित नहीं है। इसकी व्युत्पत्ति को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं, अतः इसे सीधे 'हीन' अर्थ से जोड़ना उचित प्रतीत नहीं होता।अथर्ववेद के शब्दों की निरुक्ति में अपने श्रम के स्वेद (पसीने) से विविध उत्पादकीय कार्य में रत वर्ग को शूद्र कहा गया है। अर्थात्? परिश्रमपूर्वक विविध प्रकार की मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन में रत (संलग्न) रहने वाले वर्ग को शूद्र कहकर संबोधित किया गया। इसमें किंचित भी संशय नहीं कि भारत पर हुए बाहरी आक्रमणों से पूर्व अपने उत्पादन कार्यों के प्रतिफल के स्वरूप शूद्र का समाज में आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से उच्च स्थान था। इसलिए कामन्दक नीतिसार में कहा गया है कि राजा को नया नगर बसाते समय शूद्र जो कि विभिन्न मूल्यवान वस्तुएं उत्पादित करते हैं।

मानवता चुका रही है भीषण युद्ध की कीमत

ईरान-अमेरिका संघर्ष

निरंजन ठाकुर

वैश्विक शक्तियां अगर एक-दूसरे के परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो-एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जो भीषण युद्ध छिड़ गया है, उसके बीच संवाद की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। बल्कि हर रोज युद्ध का विस्तार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ईरान है और उसकी जुनूनी सैनिक ताकत, जो अपने शिया सुप्रीमो खामेनेई की मौत का बदला खून की आखिरी बूंद तक लेना चाहती है। दूसरी ओर है अमेरिका की महाशक्ति और मध्यपूर्व का चेहरा इस्राइल, जो कहने को तो ईरान के परमाणु शक्ति बनने पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध में कूदा है। लेकिन उसके निरंकुश मंसूबे किसी से छिपे नहीं हैं।

दुनिया में शांति के नाम पर तबाही का पहाड़ा पढ़ा जाने लगा। जहां-जहां भी यह पहाड़ा शुरू हुआ, चाहे वह यूक्रेन और रूस के बीच हो या अब नये युद्ध केन्द्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान या संभावित युद्ध केन्द्र चीन और ताइवान, यह पहाड़ा तबाही का सबब बन रहा है।बहरहाल, ईरान और अमेरिका-इस्राइल संघर्ष दुनिया के युद्धरत और दूसरे देश भी संभावित तबाही के भय से कांप रहे हैं। जिस तरह से यह युद्ध आतंकवाद को नियंत्रित करने के नाम पर लेबनान और ब्रिटिश बेसों वाले साइप्रस तक फैल गया है, उससे सबकी चिंता और भी बढ़ गई है। सोचा गया था कि इतनी शक्तियां मिलकर इस युद्ध को कुछ दिन में निपटा देंगी। जिस तेजी से परेशानियां बढ़ रही हैं, उस तेजी से युद्ध निपटने के अवसर भी हैं। लेकिन जहां बड़ी ताकतें अपनी ताकत से मदमस्त हों, वहां हर दिन शांति की गुंजाइश कम होती है और युद्ध की भीषणता की

आशंका बढ़ती है।लेकिन इस संभावना में एक और खतरनाक बात भी सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईएईए के न्यूक्लियर वॉच डॉग ने एक और चेतावनी जारी की है कि परमाणु शक्तियों सावधान हो जाओ! जिस तरह से भीषण जंग हो रही है, परमाणु बम चलाए बिना परमाणु तबाही हो सकती है। यह सही है कि अभी तक ऐसी तबाही नहीं हुई है लेकिन परमाणु एजेंसी के मुखिया राफेल ग्रामसी कहते हैं कि चाहे बम नहीं चलाओगे, लेकिन एक-दूसरे को पस्त करने के लिए वैश्विक शक्तियां अगर एक-दूसरे के परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो-एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही के भय से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए राफेल ग्रामसी ने कहा कि जल्द से जल्द इस युद्ध को संवाद की सहायता से रोकिए। वैसे अभी तक रेडिएशन का स्तर सामान्य है, लेकिन यह सामान्य रहेगा, इसकी क्या गारंटी है?वैसे तबाही तो कई और आयामों से भी झांक रही है। इस लड़ाई में तेल आपूर्ति का सामान्य समुद्री मार्ग, जिसमें से तेल टैंकरों की बीस प्रतिशत आवाजाही है, वह ध्वस्त हो गया है। सऊदी अरब स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी ड्रोन हमले की शिकार हो गई है। उसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। कतर एनर्जी ने एलएनजी का उत्पादन बंद करने की घोषणा कर दी। पहले झटके में यूरोप में तेल और गैस की कीमतें उछल गई हैं। तीसरी दुनिया के देश और भारत कब तक बचेंगे? पूरा विश्व परेशान हो रहा है।अमेरिका को उम्मीद थी कि अगर ईरान में से खामेनेई और उनके साथी साफ कर दिए जाते हैं तो बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से संत्रस्त जेन-जी युवा विरोध में सड़कों पर उठ खड़े होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि वहां सत्ता पर खामेनेई समर्थकों का ही वर्चस्व है और वे करो या मरो के अंदाज में लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर ट्रम्प अभी परेशान है कि ब्रिटेन और फ्रांस मौन समर्थन दे रहे हैं, युद्ध में कूदे क्यों नहीं? दूसरी ओर रूस और चीन का भी मूक समर्थन ईरान के साथ है। चीन ने अभी फिर अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने पर नाराजगी जताई है।

इस समय संघर्ष में बड़े हमले हो रहे हैं। अरब देश जंग में एक या दूसरा पक्ष लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं। ऐसी हालत में भारत का स्टैंड यही है कि बंद करो ये मौत का पागलपन, और अपनी लड़ाई को संवाद से रोको।

'हाय दइया... भइया कउ मार डारिन'
युवक की मौत पर सीएचसी में हंगामा

❍ सड़क हादसे में घायल युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम ❍ परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का लगाया आरोप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल-मकनपुर मार्ग पर सड़क हादसे में घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण सीएचसी बिल्हौर पहुंच गए और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे।

मृतक कुनाल।

अस्पताल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सूचना पर बिल्हौर और अरौल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर किसी तरह मामला शांत कराया। जानकारी के अनुसार कन्नौज के लुधपुरी स्थित कांशीराम कॉलोनी निवासी कुनाल (24) पुत्र प्रकाश सोमवार शाम अपने बड़े भाई से मिलने मकनपुर आया था। रात में वह घर लौट रहा था इसी दौरान अरौल-मकनपुर संपर्क मार्ग पर बरांडा तिराहे के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में कुनाल गंभीर रूप से घायल हो गया

सीएचसी बिल्हौर में चीख-चीख कर रोते-बिलखते परिजन। सीएचसी बिल्हौर में हंगामे की सूचना पर पुलिस टीम साथ जाँच करने पहुँचे इंस्पेक्टर जनार्दन यादव।

डॉक्टर ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

सीएचसी बिल्हौर में नाइट ड्यूटी पर तैनात एक डॉक्टर ने परिजनों के आरोपों को सिरे से खारिज किया। उनका कहना है कि घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कर आवश्यक उपचार दिया गया था। युवक ड्रिंक किए था उसके सिर में अंदरूनी गंभीर चोटें थीं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे कानपुर रेफर भी कर दिया गया था, लेकिन उस समय कोई परिजन मौजूद न होने के कारण उसे तुरंत कानपुर नहीं भेजा गया। वहीं मामले में सीएचसी अधीक्षक धर्मेंद्र राजपूत से संपर्क किया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

डॉक्टर मौके से हट गए

परिजनों का गुस्सा बढ़ता देख दिन में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर मौके से हट गए। इसी बीच जब यह बात परिजनों को पता चली तो कुछ लोग डॉक्टर के केबिन तक पहुंच गए। अंदर जाकर देखा तो वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। इस पर भीड़ में से किसी ने आवाज लगा दी कि सभी डॉक्टर चले गए हैं। इसके बाद कुछ लोग केबिन के बाहर ही खड़े होकर हंगामा करने लगे और ताला डालने की बात कहने लगे। बवाल कर रहे लोगों की फार्मासिस्ट ने वीडियोग्राफी की।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक इलाज के लिए एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी बिल्हौर में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा था। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे हालत बिगड़ने पर युवक ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। रोते-बिलखते परिजन "हाय दइया, भइया कउ मार डारिन" कहते हुए डॉक्टरों और स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाने लगे। देखते ही देखते अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू हो गया। मृतक के भाई अंकुश का आरोप है कि समय पर सही इलाज नहीं मिलने से उसके भाई की जान चली गई। थानाध्यक्ष जनार्दन यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आलू के दाम गिरने से किसान बेहाल, लागत भी नहीं निकल रही

शिवराजपुर क्षेत्र में किसानों ने बताई परेशानी, सपा नेता विनय यादव ने सुनी समस्या

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर क्षेत्र में आलू की खेती करने वाले किसान इन दिनों भारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बाजार में आलू के दाम गिरने और खेती की लागत बढ़ने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव शिवराजपुर ब्लॉक के जैतपुर गांव पहुंचे और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

किसानों ने बताया कि आलू की खेती में बुआई से लेकर खुदाई तक काफी खर्च आता है। बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई, डीजल, जुताई और मजदूरी पर भारी रकम खर्च करनी पड़ती है। इसके अलावा कोल्ड स्टोरेज में भंडारण का खर्च भी अलग से उठाना पड़ता है। इसके बावजूद मंडियों में आलू का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। किसानों का कहना है कि सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हो पाती। कई बार उन्हें रात में लाइन लगानी पड़ती है, फिर भी खाद नहीं मिलती। मजबूरी में किसानों को बाजार से महंगे दामों पर उर्वरक खरीदना पड़ता है, जिससे लागत और बढ़ जाती है।

किसानों की समस्या सुनने पहुँचे सपा नेता विनय यादव

किसान आकाश कटियार, नीतू, इंद्रजीत, विक्रम, अनुराग और दीपू शुक्ला ने बताया कि चिपसोना आलू की लागत करीब 800 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल, कुफरी-3797 की लागत 700 से 900 रुपये प्रति क्विंटल, सिंदूरी की लागत लगभग 750 से 900 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच जाती है। इसके विपरीत बाजार में आलू का भाव करीब 600 से 700 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है।

किसानों का कहना है कि इस स्थिति में उन्हें प्रति क्विंटल 200 से 300 रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। लगातार हो रहे घाटे के कारण किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं और उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। वहीं विनय यादव ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को सरकार और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा।

घर के बाहर बंधे बकरा-बकरी चोरी किसान ने पुलिस से लगाई गुहार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। क्षेत्र के भुहेरापुर गांव में चोर घर के बाहर बंधे बकरा-बकरी चुरा ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर किसान ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। भुहेरापुर गांव निवासी राम दयाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 9 मार्च की रात करीब 11 बजे के बाद वह खेत में फसल की रखवाली करने चला गया था। इसी दौरान अज्ञात चोर उसके घर के बाहर बंधे एक बकरा और एक बकरी खोलकर ले गए। दोनों पशुओं की कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

घर में घुसकर युवक पर हमला दो आरोपियों पर केस दर्ज

➪ शिवराजपुर क्षेत्र के बैरी मोहाई बगिया गांव की घटना

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर)। थाना क्षेत्र के बैरी मोहाई बगिया गांव में बुधवार रात घर में घुसकर एक युवक पर हमला कर दिया गया। हमलावरों ने युवक को पीटने के साथ उस पर धारदार हथियार से वार कर घायल कर दिया।

पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। गांव निवासी विनोद कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार रात वह परिवार के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले अनिल और सूरज घर में घुस आए और उनके भाई राजू पर हमला कर दिया। दोनों ने पहले मारपीट की और फिर धारदार हथियार से वार कर उसे घायल कर दिया। शोर-शराबा सुनकर जब परिजन मौके पर पहुंचे तो हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए

पीड़ित के बयान नोट करती पुलिस

वहां से भाग निकले। इसके बाद घायल राजू को लेकर परिजन थाने पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

पैर फिसलने से अग्निवीर के सिर पर चोट आई, अस्पताल में जिंदगी खत्म

हजारों लोगों की मौजूदगी में सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात जिले के लिए होली का त्योहार इस बार गहरे शोक में बदल गया, जब जिले का एक होनहार बेटा और पहला अग्निवीर सैनिक अमित कुमार यादव असमय काल के गाल में समा गया। अकबरपुर थाना क्षेत्र के करौसा गांव निवासी अमित कुमार यादव भारतीय थल सेना में अग्निवीर के रूप में भर्ती हुए थे और 13 कुमायूं रेजिमेंट में तैनात थे। अमित कुमार यादव होली का त्योहार मनाने के लिए छुट्टियां लेकर अपने गांव आए हुए थे। होली के दिन वह घर के बाहर टहल रहे थे, तभी अचानक पैर फिसलने से वह जमीन पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट लग गई।

परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए कानपुर के सेना अस्पताल में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें कमांड हॉस्पिटल लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ में इलाज के दौरान ही इस वीर जवान ने दम तोड़ दिया। जैसे ही यह दुखद खबर गांव पहुंची, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बाद में सेना के जवान लखनऊ से अमित का पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटाकर उनके गांव करौसा लेकर पहुंचे। जैसे ही वीर सपूत का शव गांव पहुंचा, अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

हर आंख नम थी और हर जुबान पर ÷भारत माता की जय÷ और ÷वीर जवान अमर रहें÷ के नारे गूंज रहे थे। सेना की टुकड़ी ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ वीर जवान को श्रद्धांजलि दी। असम रेजिमेंट की टुकड़ी और स्टेशन हेडक्वार्टर की टीम ने 21 तोपों की सलामी देकर इस वीर सपूत को अंतिम विदाई दी। इस दौरान पूरा गांव और आसपास का क्षेत्र भावुक हो उठा। अमित की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पिता योगेंद्र पाल, मां सत्यवती, भाई सौरभ समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। देर रात जब पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचे।

लूट की फर्जी सूचना देकर पुलिस को छकाया

» 24 घंटे के भीतर पुलिस ने मामले में किया खुलासा, मामूली विवाद को दिया लूट का रूप, दोनों पक्षों में हुआ समझौता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में बारात वापसी के दौरान मामूली विवाद दो पक्षों में हो गया। इसके बाद दूल्हा पक्ष ने पुलिस को लूट की फर्जी सूचना दे दी।

पुलिस जांच में इस बात का खुलासा हुआ और शिकायतकर्ता ने माफी मांगी।

औरैया के सहायल थाना क्षेत्र के हेमा पुरवा कला निवासी अंकित की शादी रसूलाबाद के कठिका निवासी राजेश कुमार की बेटी रंजना के साथ 9 मार्च को हुई थी। मंगलवार दोपहर बाद विदाई हुई तो कार से दूल्हा-दुल्हन हेमापुरवा कला गांव जा रहे थे। दूल्हे ने आरोप लगाया कि रसूलाबाद मार्ग पर मनकी मोड़ के पास बरात में शामिल बाइक सवार लोगों ने ओवरटेक कर कार को रोक लिया।

इसके बाद कार चालक से मारपीट करने लगे, दूल्हे अंकित व दुल्हन ने विरोध किया तो उनसे भी मारपीट कर दी। इसके बाद दूल्हा दुल्हन थाने पहुंच गए और मारपीट व जेवर लूटने का आरोप लगाया। दुल्हन के शरीर पर जेवर भी नहीं थे। इसके बाद पुलिस जांच में जुटी तो पता चला कि आरोपित बारात में आए थे। वह पारिवारिक ही हैं। इधर स्वजन भी थाने पहुंच गए और किसी तरह से दूल्हे व दुल्हन को शांत कराया। इसके बाद मामला मारपीट का पता चला जबकि लूट की सूचना फर्जी निकली। शाम को दोनों पक्ष ने समझौता कर लिया।

दुवारी में बुलडोजर से किसानों की खड़ी फसल तबाह, पीड़ितों ने प्रशासन से उठाई न्याय की मांग

25-27 बीघा खेत में खड़ी गेहूं-सरसों की फसल रौंदी, बिना नोटिस कार्रवाई का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर क्षेत्र के दुवारी गांव में प्रशासनिक कार्रवाई के नाम पर किसानों की खड़ी फसल पर बुलडोजर चलाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को राजस्व विभाग की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ करीब 25 से 27 बीघा जमीन को ग्राम समाज की भूमि बताते हुए कब्जा मुक्त कराने के लिए जेसीबी चलवा दी, जिससे खेतों में खड़ी गेहूं और लाही (सरसों) की तैयार फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। घटना के बाद पीड़ित किसानों में भारी आक्रोश है।

किसानों का कहना है कि उनकी वर्षों की मेहनत और खून-पसीने से तैयार की गई फसल को बिना किसी पूर्व नोटिस के प्रशासन ने एक झटके में मिट्टी में मिला दिया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

पीड़ित किसान घनश्याम शुक्ला ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस जमीन पर बुलडोजर चलाकर उनकी फसल नष्ट की गई, वह उनके पूर्वजों की पैतृक भूमि है और उनका परिवार करीब 20 वर्षों से लगातार उस पर खेती कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान पति शिशुपाल सिंह और पामा चौकी प्रभारी शोभित की मिलीभगत से यह कार्रवाई कराई गई। यदि जमीन ग्राम समाज की थी तो इतने वर्षों तक उन्हें खेती करने से क्यों नहीं रोका गया और अचानक फसल तैयार होने पर ही बुलडोजर क्यों चलाया गया। पीड़ित किसान ने यह भी बताया कि इस जमीन को लेकर मामला पहले से राजस्व परिषद और न्यायालय में विचाराधीन है, इसके बावजूद बिना उचित प्रक्रिया अपनाए कार्रवाई कर दी गई।

FOLLOW UP

दो युवकों को भी भेजा गया फर्जी तरह से जेल

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि विरोध करने पर गांव के दो युवकों को पुलिस ने अवैध असलाह के आरोप में जेल भेज दिया, जबकि उनका कहना है कि यह कार्रवाई किसानों को दबाने और डराने के लिए की गई है। मामले को लेकर पीड़ित किसान घनश्याम शुक्ला सहित कई किसानों ने जिलाधिकारी कानपुर देहात को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की मांग की है। उनकी नष्ट हुई फसल का मुआवजा दिलाया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और फर्जी तरह से बंद किये गए लोगों को छोड़ा जाये। किसानों का कहना है कि यदि प्रशासन की कार्रवाई सही है तो भी बिना नोटिस किसानों की मेहनत पर बुलडोजर चलाना न्यायसंगत नहीं है। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर दुवारी गांव में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है, जबकि ग्रामीणों की निगाह अब प्रशासन की जांच और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी हुई है। अगर न्याय नहीं मिला तो लखनऊ तक आवाज उठाएंगे। इस मामले मे अकबरपुर एसडीएम को तीन बार फोन किया गया, पर फोन नहीं उठा।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से साले-जीजा हुए घायल

शादी से लौटते समय हुआ हादसा, घायल मेडिकल कॉलेज रेफर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर कस्बे में मंगलवार देर रात तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार साले-जीजा को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर पहुंचाया गया, जहां से जीजा की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

इटावा जनपद के बकेवर निवासी 26 वर्षीय शरद अपने 14 वर्षीय साले अमन के साथ बाइक से सट्टी क्षेत्र के कुंवरपुर स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे। राजपुर कस्बे के जल्लापुर सिकंदरा मार्ग पर एक तेज रफ्तार डंपर ने ओवरटेक करते समय उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों घायलों को सीएचसी राजपुर पहुंचाया। सीएचसी के डॉ. जीपी द्विवेदी ने बताया कि शरद के जबड़े में गंभीर चोट आई है। उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहीं अमन को मामूली चोटें आई थीं। थाना प्रभारी राजपुर सनत कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक की टक्कर से घायल बुजुर्ग ने तोड़ा दम बिना पोस्टमार्टम हुआ अंतिम संस्कार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 70 वर्षीय बुजुर्ग की मंगलवार रात्रि को इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस को मामले की जानकारी बाद में मिली, जिसके बाद पुलिस अब पूरे प्रकरण की जानकारी जुटाने में लगी है।

भाल गांव निवासी संतराम (70) अपने 28 वर्षीय नाती अनुज सिंह के साथ बाइक से सिकंदरा जा रहे थे। खासबरा गांव के सामने मुगल रोड पर पहुंची, तभी सिकंदरा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाबा-नाती दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। पीछे से आ रहे गांव के लोगों ने तत्काल दोनों को उठाकर राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद संतराम की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान संतराम ने दम तोड़ दिया। थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आईजीआरएस निस्तारण में कानपुर देहात पुलिस का डंका

17 में से 16 थाने प्रदेश में प्रथम

» एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में फरवरी माह की थानावार रैंकिंग में शानदार प्रदर्शन, 100प्रतिशत शिकायतों के निस्तारण से बना प्रदेश में दबदबा

» पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस व्यवस्था प्रभावी ढंग से कार्य करती दिखाई दे रही है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानून की धाराएं समाज को दिशा देती हैं, लेकिन जब उन धाराओं के साथ संवेदनशीलता और जवाबदेही जुड़ जाती है तो व्यवस्था सीधे आम जनता के दिल तक पहुंचती है। कानपुर देहात में तैनात पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस व्यवस्था इसी दिशा में प्रभावी ढंग से कार्य करती दिखाई दे रही है।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) में कानपुर देहात पुलिस ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। फरवरी माह की जारी थानावार रैंकिंग में जनपद के 17 में से 16 थानों ने 100 प्रतिशत शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

पुलिस मुख्यालय लखनऊ तथा कानपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह और कानपुर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक हरीश चन्दर के निर्देशों को धरातल पर उतारते हुए एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने आईजीआरएस शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके परिणामस्वरूप जनपद के अधिकांश थानों ने शिकायतों के समाधान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

रैंकिंग में जिन थानों ने शत-प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण कर प्रथम स्थान प्राप्त किया उनमें अकबरपुर, रूरा, महिला थाना, रनियां, भोगनीपुर, मूसानगर, देवराहट, सट्टी, डेरापुर, बरौर, मंगलपुर, अमराहट, राजपुर, सिकन्दरा, रसूलाबाद और शिवली शामिल हैं।

कानपुर देहात पुलिस की इस लगातार सफलता को पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के प्रभावी नेतृत्व, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण का परिणाम माना जा रहा है। उनकी कार्यशैली ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सख्ती और संवेदनशीलता के संतुलन के साथ पुलिस व्यवस्था जनता के लिए न्याय और भरोसे की मजबूत कड़ी बन सकती है।

राजपुर में ब्लॉक स्तरीय कला प्रतियोगिता का आयोजन

छात्र-छात्राओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के लिए छात्रा निताशा और महक समेत चार शिक्षक चयनित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड राजपुर में ब्लॉक स्तरीय कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लगभग 30 बच्चों और शिक्षकों ने प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।एक घंटे की समयावधि में आयोजित छात्र प्रतियोगिता में नारी सशक्तिकरण, स्वच्छता, पर्यावरण प्रदूषण और बाल विवाह जैसे सामाजिक विषयों पर बच्चों ने पेंटिंग, स्केचिंग और रंगोली के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके बाद शिक्षकों के लिए 30 मिनट की कला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता के उपरांत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक श्रेणी में एक-एक छात्र तथा दो-दो शिक्षकों का चयन जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। उच्च प्राथमिक स्तर पर संविलियन विद्यालय करियापुर डेरा की छात्रा निताशा और प्राथमिक स्तर पर संविलियन विद्यालय डुबकी की छात्रा महक का चयन किया गया।वहीं शिक्षकों में प्राथमिक स्तर से कीर्ति पोरवाल (अफसरिया की मड़ैया) और हिमानी गुप्ता (संविलियन विद्यालय राजपुर) तथा उच्च प्राथमिक स्तर से अपर्णा सिंह (संविलियन विद्यालय विजहरा) और मंजू देवी (उच्च प्राथमिक विद्यालय पिचौरा) का चयन जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। अधिकारी अशोक सिंह ने बच्चों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को निखारने का अवसर देती हैं। इस दौरान एआरपी प्रदीप निरंजन, शोमिल कटियार, महेंद्र सिंह, अखिलेश कटियार, अंशुल गुप्ता, नोडल संकुल मिस्बाह-उल-हक, दीपक वर्मा, विनोद कटियार, अतुल गुप्ता, कृष्ण चंद्र, मो. साहिबा सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

सेंगुर नदी में नहाते समय दो युवक डूबे

» पिकनिक मनाने गए थे तीन दोस्त

» शोर मचाकर साथी ने दी सूचना, पुलिस-फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ का देर रात तक चला सर्च ऑपरेशन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मावर गांव के पास सेंगुर नदी में मंगलवार को नहाने के दौरान दो युवकों के डूब जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। दोनों युवक अपने एक अन्य दोस्त के साथ नदी किनारे पिकनिक मनाने पहुंचे थे। घटना के बाद उनके साथी ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को जानकारी दी और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से युवकों की तलाश शुरू कर दी। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी जब उनका पता नहीं चला तो फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। देर शाम तक नदी में सर्च ऑपरेशन जारी रहा, हालांकि खबर लिखे जाने तक दोनों युवकों का कोई पता नहीं लग सका।

जानकारी के अनुसार भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मांचा गांव निवासी इंद्र सचान अपने दो दोस्तों के साथ मावर गांव के पास स्थित सेंगुर नदी के किनारे घूमने और पिकनिक मनाने गया था। उसके साथ कानपुर नगर के बर्रा निवासी रवि गुप्ता (22) और अभिषेक (26) भी थे। तीनों दोस्त कुछ समय तक नदी किनारे बैठकर पिकनिक का आनंद लेते रहे। बताया जाता है कि कुछ देर बाद रवि गुप्ता और अभिषेक नदी में नहाने के लिए उतर गए, जबकि इंद्र सचान किनारे बैठा रहा। नहाने के दौरान दोनों युवक अचानक नदी के गहरे हिस्से की ओर चले गए। देखते ही देखते वे गहरे पानी में फंस गए और डूबने लगे। दोनों को डूबता देख इंद्र सचान घबरा गया और जोर-जोर से शोर मचाकर मदद के लिए पुकारने लगा। उसने उन्हें बचाने की कोशिश भी की, लेकिन नदी का पानी काफी गहरा होने और तेज बहाव के कारण वह सफल नहीं हो सका। इसके बाद उसने तुरंत भोगनीपुर कोतवाली पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही देवीपुर चौकी इंचार्ज अतेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से नदी में युवकों की तलाश शुरू कराई। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी जब दोनों युवकों का कोई पता नहीं चला तो फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीम को भी बुला लिया गया। मौके पर पहुंची दोनों टीमों ने नदी में सर्च ऑपरेशन चलाकर युवकों की तलाश शुरू की।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों के लोग भी बड़ी संख्या में नदी किनारे जमा हो गए। वहीं दोनों युवकों के परिजनों को भी सूचना दे दी गई, जिसके बाद वे भी मौके पर पहुंच गए। देवीपुर चौकी इंचार्ज अतेंद्र सिंह ने बताया कि युवकों के नदी में डूबने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई थी। फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की मदद से नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

रोजा इफ्तार कर मांगीं अमन-चैन की दुआएं

मुकद्दस माह-ए-रमजान में इफ्तार का सिलसिला जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात।मुकद्दस माह-ए-रमजान में रोजा इफ्तार का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में कस्बा रसूलाबाद में व्यवसायी यामीन सिद्दीकी की ओर से रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शिरकत कर रोजा इफ्तार किया और मुल्क में अमन-चैन व खुशहाली की दुआएं मांगीं।

रसूलाबाद कस्बे के झींझक मार्ग स्थित विकास नगर में आयोजित इफ्तार कार्यक्रम में रोजेदारों ने एक साथ बैठकर इफ्तार किया। इसके बाद पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान बकाई ने मगरिब की नमाज अदा कराई। नमाज के बाद सभी ने देश-दुनिया में शांति, भाईचारे और तरक्की की दुआ मांगी। मुजम्मिल सिद्दीकी, मुबीन सिद्दीकी, औसाफ अली, हाजी फैजान खान, दिलशाद खान, सहादत हुसैन, ताहिर सिद्दीकी, शाहरुख मंसूरी, गोलू राइन, आसिफ राइन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पांच साल से टूटी पुलिया बनी खतरे की राह, जान जोखिम में डालकर गुजरने को मजबूर हुए ग्रामीण

बारापुर-धर्मूपुर मार्ग पर बंबा की पुलिया जर्जर, शिकायतों के बावजूद सिंचाई विभाग की चुप्पी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में बारापुर और धर्मूपुर गांव को जोड़ने वाली बंबा की पुलिया पिछले करीब पांच वर्षों से टूटी पड़ी है। पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के बाद से यहां से गुजरना ग्रामीणों के लिए खतरे से खाली नहीं है। स्थिति यह है कि पुलिया की जगह केवल मिट्टी और कुलावे के सहारे बनाया गया अस्थायी रास्ता बचा है, जिस पर हर दिन सैकड़ों लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर हैं। हैरानी की बात यह है कि इतनी गंभीर समस्या के बावजूद सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार इस मार्ग से रोजाना किसान, मजदूर, स्कूल जाने वाले बच्चे और आसपास के गांवों के लोग गुजरते हैं। पुलिया टूटने के कारण कई बार बच्चे और राहगीर बंबा में गिर भी चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।बताया जाता है कि बारापुर के पास निकली बिरहुन माइनर पर बनी पुलिया कई वर्ष पहले क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद सिंचाई विभाग ने न तो उसकी मरम्मत कराई और न ही नई पुलिया के निर्माण की पहल की। मजबूरी में ग्रामीणों ने आपस में चंदा इकट्ठा कर कुलावा डालकर मिट्टी से अस्थायी रास्ता बना दिया, ताकि किसी तरह आवागमन जारी रह सके, लेकिन यह रास्ता भी बेहद कमजोर है और बरसात के मौसम में अक्सर बह जाता है, जिससे समस्या और गंभीर हो जाती है।ग्रामीण सुभाष, नीरज कुमार, शैलेंद्र यादव, कल्लू, रघुवंश, शिवम, कन्हैया, पिंटू पाल, बृजेश और राजू का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार सिंचाई विभाग के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने बताया कि कसमढा बंबा से निकली माइनर बिरहुन, लक्कापुरवा, बारापुर और कनपटियापुर होते हुए मल्हपुर तक जाती है। ऐसे में यह मार्ग कई गांवों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क रास्ता है। पुलिया टूटने से गांवों के बीच आवागमन प्रभावित हो रहा है और किसानों को खेतों तक पहुंचने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि जब उन्होंने इस समस्या को लेकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की तो उनका फोन तक नहीं उठाया गया। इससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए जल्द से जल्द यहां पक्की पुलिया का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और किसी बड़े हादसे से पहले ही इस खतरे को खत्म किया जा सके।

क्यों खतरा बनी टूटी पुलिया

- करीब 5 वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़ी है बारापुर-धर्मूपुर मार्ग की पुलिया।
- पुलिया की जगह मिट्टी और कुलावे से बना अस्थायी रास्ता, जो कभी भी धंस सकता है।
- स्कूल जाने वाले बच्चे और ग्रामीण कई बार बंबा में गिर चुके, हर दिन हादसे की आशंका।
- इस मार्ग से बारापुर, धर्मूपुर, बिरहुन, लक्कापुरवा, कनपटियापुर समेत कई गांवों का आवागमन।
- सिंचाई विभाग को कई बार शिकायत, फिर भी अब तक नहीं हुआ निर्माण कार्य।

कोर्ट के आदेश पर नगर आयुक्त कार्यालय में कुर्की की कार्रवाई

2.17 लाख रुपये के बकाये को लेकर विवाद, तीन घंटे बाद अफसरों के हस्तक्षेप से रुकी कार्रवाई

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। बकाये भुगतान के विवाद में लखनऊ के लालबाग स्थित नगर आयुक्त कार्यालय में सिविल कोर्ट के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई शुरू होते ही निगम मुख्यालय में हड़कंप मच गया। पुलिस और न्यायालय के अमीन की टीम अचानक पहुंची और कार्यालय का सामान बाहर निकालना शुरू कर दिया, जिससे अफसरों और कर्मचारियों के बीच तीखी बहस हो गई। कुर्की की प्रक्रिया के लिए हजरतगंज पुलिस और कोर्ट के अमीन वादी संस्था के वकीलों के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंचे।

अमीन ने नगर आयुक्त कक्ष से टेबल, कुर्सियां, सोफा और इनवर्टर तक बाहर निकलवाना शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। सिविल कोर्ट के आदेश के मुताबिक 10 कंप्यूटर, 10 मेज, 50 कुर्सियां और 25 अलमारियां कुर्क करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही डिक्री धारक को कब्जा दिलाने के लिए पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने का भी आदेश था। तीन घंटे बाद अफसरों के हस्तक्षेप से कार्रवाई रुकी।

मामले में प्रशासनिक लापरवाही भी सामने आई है। बताया गया कि कुर्की की सूचना एक दिन पहले ही संबंधित पुलिस चौकी ने अपर नगर आयुक्त ललित कुमार को दे दी थी, लेकिन यह जानकारी समय पर नगर आयुक्त और विधि विभाग तक नहीं पहुंच सकी। इसके चलते अचानक हुई कार्रवाई से निगम प्रशासन असहज स्थिति में आ गया।

करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप और कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील दाखिल करने की जानकारी देने पर कुर्की की कार्रवाई रोक दी गई। बाद में बाहर निकाला गया सामान फिर से नगर आयुक्त कक्ष में रखवा दिया गया और टीम वापस लौट गई।

यह पूरा विवाद मेसर्स गंगा संस्थान और नगर निगम के अधीन डूडा विभाग के बीच पुराने भुगतान को लेकर है। संस्था के अधिवक्ता विवेक मिश्रा के अनुसार उनकी फर्म कैसरबाग क्षेत्र में शेल्टर होम संचालित करती थी।

वर्ष 2019 में नगर निगम ने संस्था का नवीनीकरण समाप्त कर दिया और बकाया भुगतान भी रोक दिया।मामला अदालत पहुंचने पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने नगर निगम को संस्था को 2.17 लाख रुपये का बकाया और छह माह का ब्याज देने का आदेश दिया था। भुगतान न होने पर अदालत ने निगम कार्यालय के सामान की कुर्की का निर्देश जारी कर दिया।

ईरान की जेल से रिहा हुए भारतीय मर्चेंट नेवी इंजीनियर

» गाजियाबाद निवासी केतन मेहता समेत 8 भारतीयों को जमानत, परिवार ने ली राहत की सांस

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण हालात के बीच भारत के एक मर्चेंट नेवी इंजीनियर समेत आठ भारतीयों को ईरान की जेल से रिहा कर दिया गया है। रिहाई के बाद सभी भारतीय नागरिक अब भारतीय दूतावास के संरक्षण में हैं। गाजियाबाद में रहने वाले उनके परिवार ने बताया कि इस खबर से उन्हें बड़ी राहत मिली है, हालांकि बेटे के सुरक्षित घर लौटने के बाद ही पूरी तसल्ली होगी।डीएलएफ कॉलोनी निवासी केतन मेहता दुबई की एक शिपिंग कंपनी में मर्चेंट नेवी इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। दिसंबर 2025 में उनका कॉन्ट्रैक्ट पूरा होने वाला था और वे घर लौटने की तैयारी में थे। इसी दौरान 8 दिसंबर 2025 को उनका जहाज एमटी वैलियंट रोअर को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने रोक लिया। ईरानी एजेंसियों ने जहाज पर ईंधन तस्करी का आरोप लगाते हुए चालक दल को हिरासत में ले लिया था।

जहाज पर कुल 18 सदस्य सवार थे, जिनमें 16 भारतीय थे। बाद में चालक दल के आठ सदस्यों को रिहा कर दिया गया, जबकि केतन मेहता समेत आठ लोगों को ईरान की जेल में रखा गया था। केतन के पिता मुकेश मेहता के अनुसार भारतीय दूतावास लगातार परिवार से संपर्क में था। इस बीच खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध का असर कई भारतीय परिवारों पर भी पड़ा है। वसुंधरा निवासी 27 वर्षीय नीतीश खांकरियाल नौ फरवरी 2026 को नौकरी के लिए दुबई गए थे, लेकिन युद्ध के कारण वहीं फंस गए। उनका भारत लौटने का टिकट 29 मार्च का है और परिवार उनके जल्द सुरक्षित लौटने की उम्मीद कर रहा है। इसी तरह इंदिरापुरम निवासी मीरा शर्मा भी तीन महीने के विजिट वीजा पर अपने बेटे मनीष कुमार और बहू शीलू के पास दुबई गई थीं और अभी तक वापस नहीं लौट सकी हैं। परिजनों का कहना है कि दुबई में हालात धीरे-धीरे सामान्य होने की खबरों से अब उनके लौटने की उम्मीद बढ़ गई है।

सक्रिय निगरानी से प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस प्रदेश में फिर नंबर-1

सीपी जोगेंद्र कुमार की कार्यशैली का दिख रहा है असर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। तेजतर्रार छवि के कर्तव्यनिष्ठ व न्यायप्रिय पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार की कार्यकुशलता एवं जीरो टॉलरेंस वाली नीति की कारण प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट अपनी सफलता के निरंतर आयाम गढ़ रही है।

जी हां यहां बात इसीलिए कही जा रही है कि उत्तर प्रदेश शासन की जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस)पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में प्रयागराज पुलिस ने फरवरी माह-2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट में प्रदेश के सभी कमिश्नरेट और जनपदों को एक बार फिर से पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में एक फिर अपना डंका बजा दिया है।

जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण का प्रतिफल है।पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने बताया कि शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस)पोर्टल पर प्राप्त होने वाली जनशिकायतों का शत प्रतिशत विधिक निस्तारण शासन की मंसानरूप करके रिपोर्ट कार्ड में 100 में से 100 नंबर प्राप्त किया है।समस्त 39 थानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिर प्रथम रैंक हासिल किया है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक शिकायत की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर निष्पक्ष,पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच की जा रही है तथा शिकायतों का गुण-दोष के आधार पर निर्धारित समयावधि के भीतर विधिक निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पुलिस ने जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान में उत्कृष्ट कार्य किया है।पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने कमिश्नरेट के

सभी प्रभारियों को जोर देकर कहा कि शासन की जन शिकायतों का गुणवत्ता सहित विधिक निस्तारण किया जाना अत्यंत आवश्यक है ताकि जनता को समय पर न्याय मिल सके।प्रयागराज कमिश्नरेट द्वारा प्राप्त यह लगातार सफलता पुलिस प्रशासन की सक्रियता,संवेदनशीलता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का ही परिणाम है

शहीद साथी की बेटी की शादी में फौजियों ने निभाया पिता का 'फर्ज'

काठा गांव में 11 सैनिकों ने किया कन्यादान, 6.10 लाख रुपये भेंट कर दी विदाई

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के काठा गांव में फौजियों ने भाईचारे और फर्ज की ऐसी मिसाल पेश की, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। सड़क हादसे में दिवंगत हुए सैनिक हरेंद्र सिंह की बेटी प्राची की शादी में उनके 11 फौजी साथियों ने पहुंचकर पिता की जिम्मेदारी निभाई और पूरे रीति-रिवाज के साथ कन्यादान किया।दरअसल, वर्ष 2020 में हरेंद्र सिंह की सड़क दुर्घटना में उस समय मौत हो गई थी, जब वे सेवानिवृत्त होकर घर लौट रहे थे। वे 21 जाट बटालियन में तैनात थे। उनके निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनकी पत्नी अमृता देवी ने संभाली।

सोमवार रात उनकी बेटी प्राची की शादी

धूमधाम से हुई। इस अवसर पर 21 जाट बटालियन के 11 सैनिक खास तौर पर समारोह में पहुंचे। इन सैनिकों ने न केवल शादी की सभी रस्मों में भाग लिया, बल्कि पिता की भूमिका निभाते हुए कन्यादान भी किया। जवानों ने बेटी प्राची को अपनी हथेलियों पर चलवाते हुए स्टेज तक पहुंचाया, जो समारोह का बेहद भावुक क्षण बन गया।सैनिकों ने कन्यादान के रूप में 6 लाख 10 हजार रुपये की राशि भी भेंट की और अपने दिवंगत साथी से किए वादे को निभाया। वर्दी में पहुंचे जाट रेजिमेंट के जवानों की मौजूदगी से पूरा समारोह गरिमा और सम्मान से भर उठा।प्राची का विवाह शामली निवासी सहायक बैंक मैनेजर शुभम के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिवार ने सेना के प्रति आभार जताया और कहा कि फौजियों ने पिता की कमी को महसूस नहीं होने दिया।

163 करोड़ के अस्पताल का भूमि पूजन विधायक को ही नहीं मिली खबर!

रामपथ पर शिलान्यास, लेकिन राजनीति में आया भूचाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रामपथ के रीडगंज क्षेत्र में प्रस्तावित 300 शैय्या वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का भूमि पूजन कर दिया गया। करीब 163.71 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस अत्याधुनिक अस्पताल के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड-2 को दी गई है। भूमि पूजन का कार्यक्रम विभाग के अधिशासी अभियंता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी की मौजूदगी में संपन्न हुआ।

यह अस्पताल सीतापुर आंख अस्पताल की भूमि पर ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मोड में बनाया जाएगा। प्रदेश सरकार इस परियोजना के लिए 48 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी कर चुकी है। अधिकारियों के अनुसार अस्पताल के निर्माण के बाद अयोध्या और आसपास के जिलों के मरीजों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी।

इसमें कई सुपर स्पेशियलिटी विभाग स्थापित किए जाने की योजना है, जिससे मरीजों को बड़े शहरों की ओर रेफर करने की आवश्यकता कम हो जाएगी।

हालांकि, इस महत्वपूर्ण परियोजना के भूमि पूजन समारोह ने स्वास्थ्य सुविधाओं से अधिक राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। शहर के इतने बड़े सरकारी प्रोजेक्ट के कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विशेष रूप से नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता को आमंत्रित नहीं किया गया।

जानकारी सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है।स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठने लगा है कि आखिर इतनी बड़ी परियोजना के भूमि पूजन में क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधि को सूचना क्यों नहीं दी गई।

इसे लेकर कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने भी नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं और ऐसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति स्वाभाविक रूप से अपेक्षित होती है।

वहीं, प्रशासनिक स्तर पर इस मामले को लेकर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अधिकारियों का कहना है कि परियोजना का कार्य समयबद्ध तरीके से शुरू करने के उद्देश्य से औपचारिक भूमि पूजन किया गया। फिलहाल चर्चा इस बात की भी हो रही है कि क्या विकास कार्यों की पटकथा अब पूरी तरह अफसरशाही लिख रही है और जनप्रतिनिधियों की भूमिका केवल औपचारिक रह गई है।

सैनिकों के बच्चों को शिक्षा में मिलेगा सहारा

» आकाश एजुकेशनल सर्विसेज और भारतीय सेना के बीच एमओयू, स्कॉलरशिप व विशेष सुविधाएँ मिलेंगी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। देश की अग्रणी टेस्ट प्रिपरेशन संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने भारतीय सेना के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य सेना के सेवारत, सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों को शैक्षणिक सहायता व कल्याणकारी सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।बता दें की समझौते के तहत देशभर में एईएसएल के सभी केंद्रों पर सेना से जुड़े विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति और फीस में छूट दी जाएगी। ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सैनिकों के बच्चों को केवल रजिस्ट्रेशन फीस देनी होगी, जबकि बाकी फीस पूरी तरह माफ रहेगी।

वहीं 20 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग सैनिकों और वीरता पुरस्कार प्राप्त कर्मियों के बच्चों की ट्यूशन फीस भी पूरी तरह माफ की जाएगी। एईएसएल के एमडी एवं सीईओ चंद्र शेखर गरिसा रेड्डी ने कहा कि सैनिकों के त्याग का सम्मान करते हुए उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिकता है।

सीएम योगी की मां के अपमान पर 24 घंटे बाद भी खामोश अयोध्या

बीजेपी नेता डॉ. रजनीश के प्रार्थना पत्र में गंभीर धाराओं की मांग, फिर भी एफआईआर दर्ज नहीं

अयोध्या। जब सत्ता के शिखर पर बैठे एक संत मुख्यमंत्री की मां के सम्मान पर हमला हो और उसके बाद भी पुलिस की कलम कागज पर न चले, तो समझ लेना चाहिए कि सिस्टम की नसों में सुस्ती किस कदर दौड़ रही है। बिहार के मोतिहारी में आयोजित एक जनसभा के दौरान अब्दुल्ला सलीम उर्फ अब्दुल्ला सलीम कमर चौधरी कासमी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी के बारे में सार्वजनिक मंच से अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। इस गंभीर मामले को लेकर अयोध्या निवासी बीजेपी नेता डॉ. रजनीश सिंह ने मंगलवार को एसएसपी को सम्बोधित पत्र एस पी ग्रामीण बलवन्त चौधरी को सौंपते हुए कोतवाली नगर थाने में उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लेकिन हैरत की बात यह है कि 24 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी अयोध्या की 'सजग' पुलिस इस प्रार्थना पत्र को शायद फाइलों के किसी अंधेरे कोने में सुलाकर बैठी है। अब सवाल यह है कि जब एक संत की मां के सम्मान पर चोट के मामले में भी पुलिस इतनी सुस्त है, तो आम नागरिक न्याय की उम्मीद किस दरवाजे पर करे? अयोध्या में कानून का पहरा है या सिर्फ खामोशी की चौकीदारी यह सवाल अब जनता पूछ रही है।

150 पन्नों की शिकायत से हिला अयोध्या मेडिकल कॉलेज प्राचार्य व ब्लड बैंक प्रभारी पर जांच की तलवार

12 से 14 मार्च तक जांच टीम खंगालेगी रिकॉर्ड, पूरे स्टाफ को

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

शिकायतकर्ता

अयोध्या। राजर्षि दशरथ स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय, दर्शननगर में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है। भारतीय भ्रष्टाचार निवारण संस्था के अध्यक्ष राजकरण पाण्डेय द्वारा प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा, उत्तर प्रदेश को भेजे गए लगभग 150 पन्नों के शिकायती पत्र के बाद शासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विभागीय जांच के निर्देश जारी कर दिए हैं।

शिकायत में मेडिकल कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. दिनेश सिंह मार्तोलिया और ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. डी.के. सिंह पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शासन स्तर पर गठित करीब एक दर्जन अधिकारियों की जांच टीम 12 से 14 मार्च के बीच मेडिकल कॉलेज पहुंचकर शिकायत में उठाए गए बिंदुओं की पड़ताल करेगी।

शिकायतकर्ता राजकरण पाण्डेय के अनुसार जांच टीम उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले की गहन जांच करेगी।

इस बीच जांच की खबर से मेडिकल कॉलेज में हड़कंप की स्थिति है। प्रशासन ने जांच अवधि के दौरान पूरे स्टाफ की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं और किसी भी कर्मचारी को अवकाश न देने का आदेश जारी किया गया है। गौरतलब है कि इस पूरे प्रकरण की जांच की मांग मीडिया में प्रकाशित खबरों के आधार पर की गई है।

रेप के दोषी आशाराम का रामनगरी में स्वागत!

» सजा काट चुका आसाराम सरयू तट पर टहला, हाथ जोड़ते दिखे अनुयायी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याधाम। रेप केस में सजायाफ्ता आसाराम का अयोध्या आगमन रामनगरी में नई बहस छेड़ गया है। मंगलवार शाम वह सरयू तट पर टहलता नजर आया और हैरानी की बात यह रही कि रास्ते भर कई लोग उसके सामने हाथ जोड़ते और पैर छूते दिखाई दिए।बता दे कि राजस्थान हाईकोर्ट से छह महीने की जमानत पर बाहर आया आसाराम सरयू तट पर स्थित लक्ष्मण किला में ठहरा है। मंगलवार को वह झुनकी घाट से सद्गुरु कुटी तक करीब 300 मीटर पैदल सरयू तट पर घूमता रहा।

इसके बाद शाम को दोबारा घाट पर पहुंचा, जहां उसके अनुयायियों ने उसे घेर लिया। आसाराम ने दावा किया कि वह बुधवार को रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आया है और तीर्थ स्थलों की महिमा बताने लगा। बुधवार को वह राम मंदिर में दर्शन और ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से मुलाकात की भी बात कर रहा है। लेकिन बड़ा सवाल यही है क्या राम की नगरी में आस्था इतनी भोली हो गई है कि सजायाफ्ता 'बाबा' भी यहां संत बनकर सम्मान बटोरने लगे?

ट्रंप के बयान से तेल बाजार में भूचाल
कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट

युद्ध खत्म होने के संकेत से बाजार में नरमी, ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड 7% तक लुढ़के, खाड़ी क्षेत्र में तनाव बरकरार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अचानक हलचल पैदा कर दी है। फ्लोरिडा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। उनके इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में तेजी से नरमी देखने को मिली और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई।

मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत में करीब 7.2 प्रतिशत (लगभग 7.15 डॉलर) की गिरावट आई और यह करीब 91.81 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी मानक डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 6.26 डॉलर गिरकर लगभग 88.51 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध के जल्द खत्म होने की संभावना से निवेशकों की चिंताएं कुछ कम हुई हैं, जिससे तेल बाजार में यह गिरावट आई।

बताया जा रहा है कि ट्रंप की यह टिप्पणी उस समय आई जब उनकी रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन से लगभग एक घंटे तक टेलीफोन पर बातचीत हुई। क्रेमलिन ने इस वार्ता को "स्पष्ट और रचनात्मक" बताया है। बातचीत के दौरान पुतिन ने चेतावनी दी कि यदि युद्ध और बढ़ता है तो स्ट्रेट आफ होर्मुज से होने वाला तेल परिवहन पूरी तरह रुक सकता है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा सकता है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए तेल से जुड़े कुछ प्रतिबंधों में ढील देने पर विचार कर सकता है। उन्होंने मौजूदा संघर्ष को "शॉर्ट-टर्म एक्सकर्शन" बताते हुए कहा कि अमेरिकी सेना अपने सैन्य लक्ष्यों के काफी करीब है, हालांकि युद्ध समाप्त होने की कोई निश्चित समय-सीमा उन्होंने नहीं बताई।

इस बीच ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रोकने की कोशिश की तो अमेरिका बेहद ताकतवर सैन्य जवाब देगा। दूसरी ओर ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट हो गया है। उधर युद्ध के मोर्चे पर तनाव कम होने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। ईरान ने एक टन से अधिक वारहेड ले जाने में सक्षम मिसाइलों की तैनाती शुरू कर दी है। इसी बीच ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मुजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर बनाया गया है, जिसकी ट्रंप ने कड़ी आलोचना की है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टिकी दुनिया की नजर

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति बाधित होती है तो वैश्विक ऊर्जा बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन इसी समुद्री मार्ग से होता है। हालांकि फिलहाल ट्रंप के युद्ध जल्द खत्म होने के संकेत से बाजार में थोड़ी राहत आई है, लेकिन क्षेत्र में बढ़ते सैन्य हमलों के कारण स्थिति अभी भी बेहद संवेदनशील बनी हुई है।

खाड़ी क्षेत्र में हमलों से बढ़ा तनाव

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने दबाव बनाने की रणनीति के तहत इजराइल और खाड़ी देशों पर नए हमले किए हैं। दुबई में मिसाइल हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजने लगे, जबकि बहरीन की राजधानी में एक रिहायशी इमारत पर हमले में 29 वर्षीय महिला की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। सऊदी अरब ने अपने तेल समृद्ध पूर्वी क्षेत्र में दो ड्रोन मार गिराने का दावा किया है, जबकि कुवैत के नेशनल गार्ड ने छह ड्रोन नष्ट करने की जानकारी दी। संयुक्त अरब अमीरात के औद्योगिक शहर रुवैस में पेट्रोकेमिकल संयंत्र के पास ड्रोन हमले के बाद आग लग गई, जिसे बुझाने में दमकलकर्मियों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। इजरायल की राजधानी क्षेत्र में भी सायरन बजने लगे और तेल अवीव में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। इजरायल की रक्षा प्रणालियां लगातार मिसाइलों और ड्रोन को रोकने की कोशिश कर रही हैं।

भारत पर क्या असर पड़ सकता है

पेट्रोल-डीजल के दाम पर असर
अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहती है तो भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दबाव कम हो सकता है। इससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिलने की संभावना बनती है।

आयात बिल में कमी
भारत अपनी जरूरत का करीब 85% कच्चा तेल आयात करता है। कीमतें कम होने से देश का तेल आयात बिल घट सकता है और सरकार पर आर्थिक दबाव कुछ कम होगा।

महंगाई पर पड़ सकता है असर
तेल की कीमतें कम रहने से परिवहन लागत घटती है, जिसका असर खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर भी पड़ सकता है। इससे महंगाई नियंत्रित रहने में मदद मिल सकती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से सप्लाई का जोखिम
यदि खाड़ी क्षेत्र में युद्ध बढ़ता है और स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल आपूर्ति बाधित होती है तो भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति पर संकट खड़ा हो सकता है, क्योंकि भारत का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से तेल आयात करता है।

रुपये और शेयर बाजार पर प्रभाव
तेल की कीमतों में गिरावट से भारत का चालू खाता घाटा कम हो सकता है, जिससे रुपये को मजबूती और शेयर बाजार को सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। वहीं युद्ध बढ़ने पर बाजार में अस्थिरता भी बढ़ सकती है।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर: एयर इंडिया बढ़ाएगी हवाई किराया

➩ जेट फ्यूल महंगा होने से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में चरणबद्ध बढ़ोतरी यात्रियों की जेब पर पड़ेगा असर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध जैसे हालात का असर अब हवाई यात्रा पर भी साफ दिखाई देने लगा है। ईंधन की कीमतों में तेज उछाल के चलते देश की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किराए में चरणबद्ध बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। कंपनी के अनुसार यह कदम बढ़ती परिचालन लागत और महंगे जेट फ्यूल के कारण उठाना पड़ रहा है।

एयरलाइन ने बताया कि किराए में वृद्धि तीन चरणों में लागू की जाएगी, ताकि अचानक यात्रियों पर ज्यादा बोझ न पड़े। फिलहाल सभी उड़ानों पर अलग से फ्यूल सरचार्ज लागू नहीं किया गया है, लेकिन कुछ अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि अगर किराए में संशोधन नहीं किया गया तो कई उड़ानों का संचालन व्यावसायिक रूप से घाटे का सौदा बन सकता है। एयर इंडिया के अनुसार विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में मार्च 2026 की शुरुआत से लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। एयरलाइन उद्योग में ईंधन कुल परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा होता है। ऐसे में एटीएफ की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी टिकट दरों पर सीधा असर डालती है।

कंपनी ने कुछ अंतरराष्ट्रीय मार्गों के लिए संभावित फ्यूल सरचार्ज का नया ढांचा भी जारी किया है। इसके तहत मध्य पूर्व के लिए उड़ानों पर करीब 10 डॉलर तक अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। वहीं अफ्रीका के लिए यह शुल्क 30 से 90 डॉलर तक और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए 20 से 60 डॉलर के बीच हो सकता है। एयरलाइन का कहना है कि बाजार की स्थिति के अनुसार इन दरों की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। हालांकि एयर इंडिया की कम लागत वाली सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने फिलहाल अपने यात्रियों को राहत दी है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि उसकी उड़ानों पर अभी कोई फ्यूल सरचार्ज लागू नहीं किया जाएगा।

विमानन विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में कच्चे तेल का घरेलू उत्पादन सीमित है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव सीधे विमानन क्षेत्र को प्रभावित करता है। दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े शहरों में एटीएफ पर लगने वाला वैट और अन्य कर भी एयरलाइनों की लागत को बढ़ा देते हैं। मिडिल ईस्ट में जारी ईरान-अमेरिका तनाव और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है। इसका असर कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो आने वाले महीनों में हवाई किराए में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है, जिससे यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है।

यात्रियों पर पड़ेगा असर

- टिकट महंगे होंगे- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किराए में चरणबद्ध बढ़ोतरी से यात्रियों को ज्यादा भुगतान करना पड़ सकता है।
- यात्रा बजट बढ़ेगा- खासकर विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कुल यात्रा खर्च में इजाफा होने की संभावना।
- कुछ रूट पर अतिरिक्त शुल्क- मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया की उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज लग सकता है।
- लो-कॉस्ट उड़ानों से राहत- एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी कम लागत वाली उड़ानों में फिलहाल किराया अपेक्षाकृत कम रह सकता है

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com